Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 10

सामाजिक विज्ञान

समकालीन भारत-II

अध्याय-1 : संसाधन एवं विकास

भाग - 6

अभ्यास प्रश्न

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



बहुवैकल्पिक प्रश्न

1 | पंजाब में भूमि निम्नीकरण का निम्नलिखित में से मुख्य कारण क्या है ?

अ गहन खेती

ब वनोन्मूलन

स अधिक सिंचाई

द अति पशुचारण

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



2 निम्नलिखित में से किस प्रांत में सीढ़ीदार (सोपानी) खेती की जाती है ?

अ पंजाब

ब हरियाणा

स उत्तर प्रदेश के मैदान

द उत्तराखण्ड



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



3 इनमें से किस राज्य में काली-मृदा मुख्य रूप से पाई जाती है ?

अ जम्मू और कश्मीर

ब राजस्थान

स महाराष्ट्र

द झारखंड

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए।

1 | तीन राज्यों के नाम बताएँ जहाँ काली मृदा पाई जाती है । इस पर मुख्य रूप से कौन सी फसल उगाई जाती है ?

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए।

1 तीन राज्यों के नाम बताएँ जहाँ काली मृदा पाई जाती है । इस पर मुख्य रूप से कौन सी फसल उगाई जाती है ?

उत्तर :

- काली मृदा का रंग काला होता है।
- इन्हें रेगुर-मृदा भी कहते हैं।
- ये लावाजनक शैलों से बनती हैं।
- ये कपास की खेती के लिए उचित होती है। इसलिए इसे “काली कपास मृदा” भी कहा जाता है।
- ये मृदा महाराष्ट्र,मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के पठार पर पाई जाती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न





2 पूर्वी-तट के नदी डेल्टाओं पर किस प्रकार की मृदा पाई जाती है? इस प्रकार की मृदा की तीन मुख्य विशेषताएँ क्या है ?

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



2 पूर्वी-तट के नदी डेल्टाओं पर किस प्रकार की मृदा पाई जाती है? इस प्रकार की मृदा की तीन मुख्य विशेषताएँ क्या है ?

उत्तर :

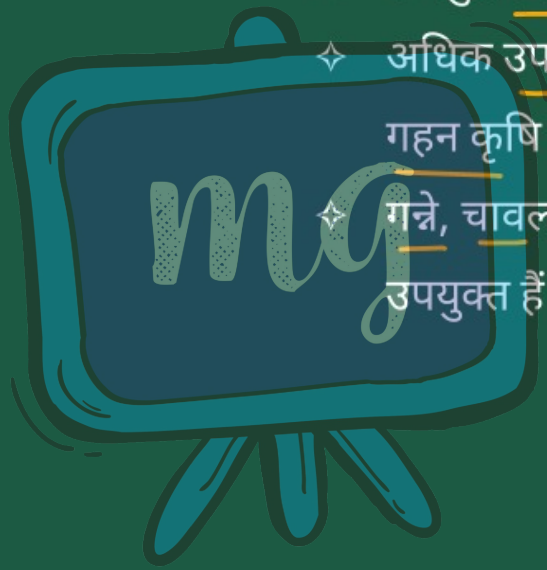
- पूर्वी-तट के नदी डेल्टाओं पर जलोढ़ मृदा पाई जाती है।
- जलोढ़ मृदा की मुख्य विशेषताएँ: -
  - यह मृदा हिमालय के तीन महत्त्वपूर्ण नदी तंत्रों (सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों) द्वारा लाए गए निक्षेपों से बनी है।
  - जैसे-जैसे हम नदी के मुहाने से घाटी में ऊपर की ओर जाते हैं, मृदा के कणों को आकार बढ़ता चला जाता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न





- ये बहुत उपजाऊ मृदा होती है।
- अधिक उपजाऊपन के कारण जलोढ़ मृदा वाले क्षेत्रों में गहन कृषि की जाती है।
- गन्ने, चावल, गेहूँ और दलहन फसलों की खेती के लिए उपयुक्त हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न





3 पहाड़ी क्षेत्रों में मृदा-अपरदन की रोकथाम के लिए क्या कदम उठाने चाहिए ?

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



3 पहाड़ी क्षेत्रों में मृदा-अपरदन की रोकथाम के लिए क्या कदम उठाने चाहिए ?

उत्तर :

- मृदा के कटाव और उसके बहाव की प्रक्रिया को मृदा अपरदन कहते हैं।
- विभिन्न मानवीय तथा प्राकृतिक कारणों से मृदा अपरदन होता रहता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



पहाड़ी क्षेत्रों में मृदा-अपरदन की रोकथाम के लिए निम्नलिखित तरीके अपनाने चाहिए: -



☛ समोच्च-जुताई

✧ समोच्च रेखाओं के समानांतर हल चलाने से ढाल के साथ जल-बहाव की गति घटती है।



☛ सीढ़ीदार (सोपान) कृषि

✧ सीढ़ीदार खेत बनाकर अवनालिका अपरदन को रोका जा सकता है।

☛ पट्टी कृषि

✧ इसमें बड़े खेतों को पट्टियों में बाँटा जाता है।

✧ फसलों के बीच में घास की पट्टियाँ उगाई जाती हैं।

✧ ये पवनों द्वारा जनित बल को कमजोर करती हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में दीजिए।

1. भारत में भूमि उपयोग प्रारूप का वर्णन करें।
2. वर्ष 1960-61 से वन के अंतर्गत क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण वृद्धि नहीं हुई, इसका क्या कारण है ?

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में दीजिए।

1 भारत में भूमि उपयोग प्रारूप का वर्णन करें।
वर्ष 1960-61 से वन के अंतर्गत क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण वृद्धि नहीं हुई, इसका क्या कारण है ?

उत्तर :

- भूमि एक बहुत महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है।
- हम भूमि पर रहते हैं और विभिन्न रूपों में इसका उपयोग करते हैं।
- प्राकृतिक वनस्पति, वन्य जीवन, मानव जीवन, आर्थिक क्रियाएँ, परिवहन तथा संचार व्यवस्थाएँ भूमि पर ही आधारित होती हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



☛ भारत में भू-संसाधनों के उपयोग को विभिन्न भागों में बाँटा गया है-

1. वन
2. कृषि के लिए अनुपलब्ध भूमि
   (अ) बंजर तथा कृषि अयोग्य भूमि
   (ब) गैर-कृषि प्रयोजनों में लगाई गई भूमि
3. अन्य कृषि अयोग्य भूमि
   (अ) स्थायी चरागाहें तथा गोचर भूमि
   (ब) विविध वृक्षों के अधीन भूमि
   (स) कृषि योग्य बंजर भूमि
   (जहाँ 5 से अधिक वर्षों से खेती न की गई हो)

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



4. परती भूमि

(अ) वर्तमान परती

(1 वर्ष या उससे कम समय से खेती न की गई हो)

(ब) अन्य परती भूमि (पुरातन परती)

(1 से 5 वर्ष से खेती न की गई हो)

5. शुद्ध (निवल) बोया गया क्षेत्र

भूमि जिस पर फसलें उगाई व काटी जाती है

☛ आंकड़ों के अनुसार भारत में लगभग 45.5 प्रतिशत भूमि शुद्ध (निवल) बोया गया क्षेत्र, 23.3 प्रतिशत भूमि वन क्षेत्र और 8.7 प्रतिशत भूमि गैर-कृषि प्रयोजन क्षेत्र के अंतर्गत आती है।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



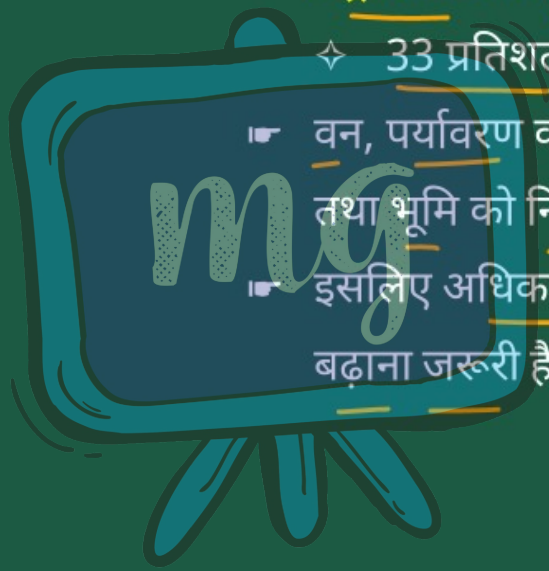
- वर्ष 1960-61 से वन क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं हुई है 1960-61 से वन क्षेत्र में लगभग 5 प्रतिशत का ही विस्तार हुआ है।
- कारण
  - स्वतंत्रता के बाद मुख्य रूप से हरित-क्रांति के बाद भूमि का उपयोग कृषि के लिए तथा आधारभूत संरचनओं के विकास के लिए किया गया जिसके कारण वनो को बड़े स्तर पर काटा गया ।
  - इसके अलावा भारत में बढ़ती जनसंख्या, औद्योगीकरण तथा नगरीकरण के कारण निरंतर वनों का कटाव किया गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न





- राष्ट्रीय वन नीति (1952)
  - 33 प्रतिशत भूमि पर वन होने चाहिए
- वन, पर्यावरण को संतुलित करते हैं, मृदा अपरदन को रोकते हैं तथा भूमि को निम्नीकरण से बचाते हैं।
- इसलिए अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाकर वनों के प्रतिशत को बढ़ाना जरूरी है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न





2 प्रौद्योगिकी और आर्थिक-विकास के कारण संसाधनों का अधिक उपभोग कैसे हुआ है ?

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



2 प्रौद्योगिकी और आर्थिक-विकास के कारण संसाधनों का अधिक उपभोग कैसे हुआ है ?

उत्तर :

प्रौद्योगिकी और आर्थिक-विकास के चलते संसाधनों का अत्यधिक उपभोग हुआ है जिसके निम्नलिखित कारण है :-

1. आर्थिक-विकास कई प्रकार के नये संसाधनों का दोहन करने के लिए बाध्य करता है।
2. जब किसी देश में प्रौद्योगिकी के विकास के परिणामस्वरूप आर्थिक विकास होता है तो वहाँ के लोगों के जीवन स्तर में वृद्धि होती है। इससे मानवीय आवश्यकताएँ बढ़ती है और संसाधनों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न





3. कृत्रिम उपकरण, प्रौद्योगिकी विकास की देन हैं, इसके परिणामस्वरूप उत्पादन में बढ़त के कारण संसाधनों का अधिक उपभोग किया जाता है।